(b) Three.

(c) No, Sir.

प्रधान मंत्री की पहाड़ यात्रा

१६१६. { **श्री अर्जुन सिंह भदौरिया :**
श्री यादव :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उन्होंने अपने अवकाश काल में पहाड़ी प्रदेश में रहने का व्यय स्वयं वहन किया था;

(ख) क्या सारा व्यय भारत सरकार ने वहन किया था और यदि हां, तो उनके सम्पूर्ण अवकाश काल में कुल कितना व्यय हुआ; और

(ग) क्या ऐसी सब सुविधायें अन्य सारे संघ मंत्रियों तथा राज्य सरकारों के मंत्रियों को उपलब्ध हैं ?

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : (क) जी हां, यह खर्च प्रधान मंत्री ने स्वयं बरदाश्त किया था । इस सम्बन्ध में यह बतलाया जाना जरूरी है कि प्रधान मंत्री उस अरसे में छुट्टी पर नहीं थे और उनके रोज़मर्रा के काम का काफी हिस्सा मनाली से ही होता रहा, जहां पर उनके पास कागजात नियमित रूप से भेजे जाते रहे ।

(ख) प्रधान मंत्री के मनाली में ठहरने के दौरान में उनके निजी खर्च का कोई हिस्सा भारत सरकार या पंजाब सरकार ने बरदाश्त नहीं किया ।

(ग) इस प्रश्न में किन खास सुविधाओं की तरफ इशारा किया गया है यह ज़ाहिर नहीं । केन्द्रीय या राज्य सरकारों के मंत्री वहां के विश्राम घर में लागू नियमों के अनुसार अपना निजी खर्च स्वयं बरदाश्त कर यकीनन ठहर सकते हैं ।

कपड़े का उत्पादन

१६२०. { **श्री यादव :**
श्री अर्जुन सिंह भदौरिया :

क्या **वाणिज्य तथा उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में (राज्य-वार) १६४८ से प्रति वर्ष कपड़े का कुल कितना उत्पादन हुआ;

(ख) इसी अवधि में इस उत्पादन में से मिलों, हथकरघों तथा अन्य साधनों से (पथक्-पृथक्) कितना उत्पादन हुआ; और

(ग) देश में (राज्य-वार) कपड़े की प्रति व्यक्ति खपत १६४८ में कितनी थी और अब कितनी है ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री लाल बहादुर शास्त्री) : (क) से (ग). एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है । [देखिये परिशिष्ट ५, अनुबन्ध संख्या ५४]

अम्बर चर्खा कार्यक्रम के संगठन तथा तरीकों सम्बन्धी जांच समिति

१६२१. { **श्री अर्जुन सिंह भदौरिया :**
श्री यादव :

क्या **वाणिज्य तथा उद्योग** मंत्री १० मार्च, १६५८ के तारांकित प्रश्न संख्या ८१६ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि अम्बर चर्खा कार्यक्रम के संगठन तथा तरीकों की जांच करने के लिये १६५७ में स्थापित की गई जांच समिति की रिपोर्ट पर क्या कार्यवाही की गई है ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री लाल बहादुर शास्त्री) : एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है जिसमें अपेक्षित जानकारी दी गई है । [देखिये परिशिष्ट ५, अनुबन्ध संख्या ५५]